Aayi Re Aayi Re Ashtam Bhaado Ki Aayi Lyrics in Hindi and English

Aayi Re Aayi Re Ashtam Bhaado Ki Aayi Lyrics in Hindi

आई रे आई रे अष्टम भादो की आई, प्रगट भये हैं आज शाम लला आई रे आई रे रात भादो की आई, प्रगट भये हैं आज शाम लला

बृज़ मण्डल में खुशियां है आई, देव गणों नें पुष्प वर्षा बरसाई आ ही गयो आज नन्दं को आनंन्द, यशोदा मैया को सब दैवें बधाई आई रे आई रे अष्टम भादो की आई,

प्रगट भये हैं आज शाम लला आई रे आई रे रात भादो की आई, प्रगट भये हैं आज शाम लला आई रे आई रे....

नन्दं भवन में आनंन्द छायो,श्रुत्तियों नें भी हिमा है गाई ढोल नगाड़े बाजंन लागे,कैसी अद्भवत महिमा है भाई आई रे आई रे....

सत्तर गज्ज की पगड़ी बान्धें,डोलत फिरत है नंदबाबा गल धसका झुंम-झुंम के,गाये रहें हैं यही भजंन पागल धसका झुंम-झुंम के,गाये रहे हैं यही भजंन आई रे आई रे....

Aayi Re Aayi Re Ashtam Bhaado Ki Aayi Lyrics in English

Aai re aai re ashtam bhado ki aai, Pragat bhaye hain aaj shaam Lala. Aai re aai re raat bhado ki aai, Pragat bhaye hain aaj shaam Lala.

Brij Mandal mein khushiyan hai aai,

Dev ganon ne pushp varsha barsayi. Aai gayo aaj Nand ko anand, Yashoda Maiya ko sab daiven badhai.

Aai re aai re ashtam bhado ki aai, Pragat bhaye hain aaj shaam Lala. Aai re aai re raat bhado ki aai, Pragat bhaye hain aaj shaam Lala. Aai re aai re...

Nandam bhavan mein anand chhayo,

Shrutiyon ne bhi hima hai gayi. Dhol nagade baajne lage, Kaisi adbhut mahima hai bhai. **Aai re aai re...**

Sattar gajj ki pagdi bandhke,

Dolat phirat hai Nandbaba. Gal dhaska jhoom-jhoom ke,

Gaaye rahe hain yahi bhajan. Pagal dhaska jhoom-jhoom ke, Gaaye rahe hain yahi bhajan. **Aai re aai re...**

About Aayi Re Aayi Re Ashtam Bhaado Ki Aayi Bhajan in English

"Aayi Re Aayi Re Ashtam Bhaado Ki Aayi" is a joyous and celebratory bhajan that marks the divine birth of **Lord Krishna** in **Vrindavan**. It emphasizes the festive atmosphere surrounding Krishna's birth and the immense happiness that his arrival brings to the people of Vrindavan, especially to **Nand Baba** and **Yashoda Maiya**.

- Celebration of Krishna's Birth: The bhajan begins by celebrating
 the arrival of Lord Krishna on the Ashtami night of the Bhadon
 month (a traditional Hindu month). The lyrics "Pragat bhaye hain aaj
 shaam Lala" express the joy of Krishna's manifestation and the
 happiness that fills the entire village of Vrindavan as they welcome
 the divine child.
- Divine Blessings and Joy: The bhajan highlights the divine blessings and joy Krishna's birth brings. It mentions how the devgan (deities) showered flowers and blessings, and how Krishna's arrival filled everyone with immense joy. "Nand ko anand" refers to the bliss that Nand Baba experiences, while Yashoda Maiya is filled with pride and happiness as she receives blessings from the gods.
- Celebration in Nand Baba's House: The festivities are described in detail, with the sounds of **dhol** and **nagadas** echoing in the air. The bhajan describes how Nand Baba's home is filled with joy, and the entire village of Vrindavan celebrates Krishna's birth with songs, dance, and music. "Nandam bhavan mein anand chhayo" refers to the happiness that pervades Nand Baba's home.
- The Beauty of Nand Baba's Celebrations: The bhajan also describes Nand Baba's pride, symbolized by his pagdi (turban), which is 70 yards long, reflecting his status and joy. The community's participation in Krishna's birth celebration with enthusiastic songs and dances showcases the love and devotion everyone feels for the divine child.
- The Divine Atmosphere of the Event: The entire celebration is portrayed as an extraordinary event, filled with divine significance and an overwhelming sense of divine joy. The rhythm of the bhajan itself

mirrors the happiness and excitement that fills the air during the birth of Krishna.

Overall, "Aayi Re Aayi Re Ashtam Bhaado Ki Aayi" is a bhajan that celebrates the divine birth of Lord Krishna, the joy it brings to the people of Vrindavan, and the festive atmosphere that surrounds his arrival. It highlights Krishna's divine significance and the love, pride, and devotion of his parents, Nand and Yashoda, along with the entire community. The bhajan beautifully encapsulates the spiritual and emotional significance of Krishna's birth in a celebratory and joyous tone.

About Aayi Re Aayi Re Ashtam Bhaado Ki Aayi Bhajan in Hindi

"आयी रे आयी रे अष्टम भादो की आयी" भजन के बारे में

"आयी रे आयी रे अष्टम भादो की आयी" एक सुंदर और उल्लासपूर्ण भजन है जो भगवान श्री कृष्ण के जन्म की खुशी और उत्सव को व्यक्त करता है। यह भजन विशेष रूप से श्री कृष्ण के अष्टमी रात में भादों मास के माहात्म्य को मनाता है, जब श्री कृष्ण नन्द महराज के घर जन्मे थे। इस भजन में वृंदावन के लोगों की खुशी, नन्द बाबा और यशोदा माता की प्रसन्नता, और भगवान कृष्ण के आगमन की दिव्यता का उत्सव है।

- कृष्ण के जन्म का उत्सव: भजन की शुरुआत श्री कृष्ण के आगमन की खुशी से होती है। "प्रगट भये हैं आज शाम लला" पंक्ति में श्री कृष्ण के प्रकट होने की खुशी को व्यक्त किया गया है, और पूरे वृंदावन में आनंद और उत्सव का माहौल बना है।
- दिव्य आशीर्वाद और सुशी: भजन में देवताओं द्वारा पुष्प वर्षा और आशीर्वाद देने का उल्लेख किया गया है, जो भगवान कृष्ण के जन्म के साथ वृंदावन में हर जगह फैल गए। "नन्द को आनंद" से यह स्पष्ट होता है कि नन्द महराज और यशोदा माता को भगवान कृष्ण के जन्म से अपार सुशी और आशीर्वाद प्राप्त हुआ।
- नन्द भवन में उल्लास: भजन में नन्द महराज के घर में छाए आनंद का वर्णन है। ढोल-नगाड़ों की ध्वनि, रंगों से भरे उत्सव, और खुशी से नाचते-गाते लोग कृष्ण के जन्म को मनाने के लिए इकट्ठा हुए हैं। "नन्द भवन में आनंद छायो" पंक्ति में नन्द महराज के घर की दिव्यता और खुशियों का चित्रण किया गया है।
- नन्द बाबा का गौरव: भजन में नन्द बाबा के गर्व और उत्सव को भी दर्शाया गया है, जैसे

उनका सत्तर गज लंबा पगड़ी पहनना, जो उनके गौरव और आनंद का प्रतीक है। यह नन्द महराज के प्रति श्रद्धा और भक्तिपूर्ण सम्मान को दिखाता है।

• समुदाय की सहभागिता: भजन में यह भी दर्शाया गया है कि कृष्ण के जन्म पर पूरे गांव में उत्सव का माहौल है, और लोग मिलकर भजनों का गायन करते हुए कृष्ण के स्वागत में मग्न हो गए हैं। यह सभी के लिए एक सामूहिक खुशी और भक्ति का अवसर है।

कुल मिलाकर, "आयी रे आयी रे अष्टम भादो की आयी" भजन श्री कृष्ण के जन्म के उत्सव का प्रतीक है, जो नन्द महराज और यशोदा माता के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण था। यह भजन श्री कृष्ण के आगमन से जुड़ी दिव्यता, उल्लास, और समुदाय की भक्ति को दर्शाता है, जो भगवान श्री कृष्ण के प्रति प्रेम और श्रद्धा से भरा हुआ है।